हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 176 देहरादून, शनिवार, 31 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

हीराबेन के निधन पर सतपाल महाराज ने जताया दुखः 3

गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर देखेगी मानसखण्ड की झांकी : बंशीधर तिवारी

उत्तराखण्ड की मानसखण्ड पर आधारित झांकी का हुआ चयन

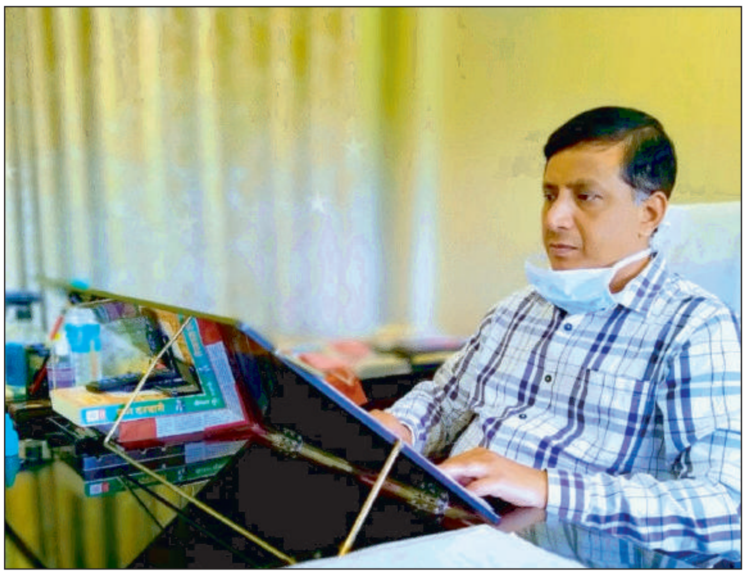

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , गणतंत्र दिवस परेड-2023 के लिए उत्तराखण्ड राज्य की झांकी का अंतिम चयन हो गया है। सूचना विभाग द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन के उपरान्त मानसखण्ड पर आधारित झांकी प्रस्तावित की गई थी। भारत सरकार द्वारा अंतिम रुप से इस बार नई दिल्ली कर्त्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में 'मानसखण्ड' की झांकी का प्रदर्शन करने की स्वीकृति पदान की है। यह जानकारी देते हुए सूचना विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि झांकी के अग्र तथा मध्य भाग में कार्बेट नेशनल पार्क में विचरण करते हुए हिरन, बारहसिंघा, घुरल, मोर तथा उत्तराखण्ड में पाये जाने वाली विभिन्न पक्षियों व झांकी के पृष्ठ भाग में प्रसिद्ध जागेश्वर मन्दिर समूह तथा देवदार के वृक्षों को दिखाया जायेगा साथ ही उत्तराखंड की प्रसिद्ध लोक कला 'ऐपण' का भी झांकी के मॉडल में समावेश किया गया है। झांकी के साथ उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए छोलिया नृत्य का दल सम्मिलित होगा। झांकी का थीम सांग उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति पर आधारित होगा।

गौरतलब है कि श्री केदारनाथ व श्री बदरीनाथ की तर्ज पर कुमाऊ के पौराणिक मंदिरों के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मानसखण्ड मंदिर माला मिशन योजना पर काम किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर मानसखण्ड पर आधारित झांकी का प्रदर्शन होगा। देश विदेश के लोग मानसखण्ड के साथ ही उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति से भी परिचित होंगे।

ज्ञातव्य है कि गणतंत्र दिवस की झांकी के लिए लगभग 27 राज्यों ने अपने प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किये थे, जिसमें 16 राज्यों का ही अंतिम चयन हुआ है। राष्ट्रीय समारोह के नोडल अधिकारी संयुक्त निदेशक, के.एस. चौहान द्वारा झांकी का डिजाइन, थ्री-डी मॉडल तथा संगीत के संदर्भ में रक्षा मंत्रालय के अधीन गठित विशेषज्ञ समिति के सम्मुख नई दिल्ली में 7 बार प्रस्तुतिकरण करने के उपरान्त उत्तराखण्ड राज्य का अंतिम चयन हुआ है।

उत्तराखण्ड राज्य द्वारा अभी तक गत वर्षों में 13 झांकियों एवं उत्तराखण्ड की कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन कर्त्तव्य पथ पर किया गया है, इनमें वर्ष 2003 में 'फुलदेई', वर्ष 2005 में 'नंदा राजजात', वर्ष 2006 में 'फूलों की घाटी', वर्ष 2007 में 'कार्बेट नेशनल पार्क', वर्ष 2009 में 'साहसिक पर्यटन', वर्ष 2010 में 'कुम्भ मेला हरिद्वार', वर्ष 2014 में 'जड़ीबूटी', वर्ष 2015 में 'केदारनाथ', वर्ष 2016 में 'रम्माण', वर्ष 2019 में 'अनाशक्ति आश्रम', वर्ष 2021 में 'केदारखण्ड' तथा वर्ष 2022 में 'प्रगति की ओर बढ़ता उत्तराखण्ड' सम्मिलित हैं।

झांकी का निर्माण 31 दिसम्बर से सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक/नोडल अधिकारी के.एस. चौहान के दिशानिर्देशन में राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में किया जायेगा तथा झांकी के साथ उत्तराखण्ड की संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए उत्तराखंड का प्रसिद्ध छोलिया नृत्य का ग्रुप 13जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगा।

2023 न्यू ईयर मनाने ऋषिकेश पहुंच रहे हैं. करीब 2 लाख पर्यटक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 31 दिसंबर, , उत्तराखंड ऋषिकेश हिल स्टेशन पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। यहां कम बजट में खूबसूरत वादियों में घूमने का आनंद लिया जा सकता है। गंगा तट पर बसा ऋषिकेश ऐसा ही शहर है, जहां राफ्टिंग और बंजी जंपिंग के रोमांच के साथ जंगल के बीच कैंपिंग करने का लुत्फ उठाया जा सकता है। यही वजह है कि न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए पर्यटक ऋषिकेश की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। इस बार यहां नए साल के जश्न के मौके पर एक लाख से ज्यादा पर्यटकों के जुटने की संभावना है।

तपोवन, मुनिकीरेती और स्वर्गाश्रम समेत तमाम जगहों पर होटल और रिजॉर्ट में एडवांस में बुकिंग फुल हो चुकी है। देश के कोने-कोने से पर्यटक ऋषिकेश पहुंचने लगे हैं। साल का पहला दिन कुछ लोग आध्यात्मिक शांति के साथ बिताना चाहते हैं तो कुछ कैंपिंग कर इस मौके को यादगार बनाने की तैयारी में हैं। उस पर राफ्टिंग और बंजी जंपिंग का रोमांच भी पर्यटकों को खूब लुभा रहा है।

ऋषिकेश आने वाले पर्यटक कहते हैं. कि उन्हें यहां आकर सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

शहर की प्राकृतिक सुंदरता उनका दिल छू लेती है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए होटल और रिजॉर्ट संचालकों ने भी आकर्षक ऑफर रखे हैं। जिसके चलते लोग यहां खिंचे चले आ रहे हैं। होटलों में बुकिंग फुल हो चुकी है. और अब भी लोगों की इंक्वायरी आ रही है। पर्यटन व्यवसायी वैभव थपलियाल ने बताया कि पर्यटकों के स्वागत के लिए हमने खास इंतजाम किए हैं। सुरक्षा संबंधी सभी नियमों को फॉलो कराया जा रहा है।

पर्यटकों को कोरोना से बचाव और सोशल डिस्टेंसिंग के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। न्यू ईयर से पहले ऋषिकेश में सैलानियों की आवाजाही बढ़ गई है। पर्यटन कारोबार में तेजी आने से शहर के कारोबारी उत्साहित हैं। इससे पर्यटन कारोबार को भी गति मिलेगी।

ऋषभ पंत को झपकी आने से हुआ भीषण हादसा, हरियाणा रोडवेज बस चालक बना 'देवदूत',

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की। दिल्ली से रुड़की में मां से मिलने आ रहे क्रिकेटर ऋषभ पंत रुड़की के निकट नारसन में सड़क हादसे का शिकार हो गये। हादसा इतना भीषण था कि मर्सिडीज बेंज कार करीब दो सौ मीटर तक डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए दूसरी तरफ जाकर पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई।

आग लगने से पूर्व ही क्रिकेट हिम्मत दिखाते हुए कार से बाहर निकल आये। इसी दौरान उनके बैग से निकले कुछ रुपये वहां मौजूद कुछ लोग उठाकर ले गये। ऋषभ पंत अपनी मां को सरप्राइज देने के लिए उनसे मिलने आ रहे थे। हादसे की वजह नींद की झपकी रही। ऋषभ पंत को रुड़की के सक्षम अस्पताल में उपचार देने के बाद देहरादून के मैक्स अस्पताल में रेफर किया गया। भारतीय किक्रेट टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत शुक्रवार अल सुबह मां सरोज पंत से मिलने दिल्ली से अपनी मर्सिडीज कार में रुड़की आ रहे थे।

सुबह करीब साढ़े पांच बजे इनकी कार नेशनल हाईवे 334 पर नारसन कस्बे में पहुंची तो क्रिकेटर ऋषभ पंत को नींद की झपकी आ गई। जिससे उनकी मर्सिडीज कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए करीब दो सौ मीटर दूर जाकर पलट गई। हादसे होते देख सामने से आ रही हरियाणा रोडवेज बस भी रुक गई। बस चालक सुशील कुमार बस के परिचालक के साथ मौके पर पहुंचे। इसी बीच मौके से कुछ दूरी पर स्थित डेयरी संचालक कुशलवीर सिंह कर्मचारियों को लेकर राहत बचाव के लिए मौके पर पहुंचे।

संबंधित सामग्री पेज 4 पर

क्या आप जानते हैं फ्लैट या बीमा पॉलिसी बुकिंग रद्द कराने पर भी मिलेगा GST Refund

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 31 दिसंबर , अगर आपने फ्लैट या बीमा पॉलिसी की बुकिंग ले रखी है और इस बुकिंग को रद्द करके आप जीएसटी रिफंड करवाना चाहते हैं तो आप जीएसटी रिफंड के लिए आसानी से दावा कर सकते हैं. क्योंकि इसको लेकर वित्त मंत्रालय ने अपनी मंजूरी दे दी है. वित्त मंत्रालय का कहना है कि फ्लैट या बीमा पॉलिसी (Insurance Policy) की बुकिंग रद्द करने पर टैक्स भुगतान करने वाला व्यक्ति जीएसटी रिफंड का दावा कर सकता है, हालांकि इसके लिए उसे अस्थायी तौर पर जीएसटी पोर्टल पर अपने को रजिस्टर्ड करना होगा.

जीएसटी पोर्टल पर अनरजिस्टर्ड व्यक्तियों के लिये रिफंड की एक नई सुविधा शुरू की गई है, जो अनरजिस्टर्ड व्यक्ति जीएसटी वापस चाहते हैं, उन्हें पोर्टल पर अपने पैन (स्थायी खाता संख्या) का उपयोग कर अस्थायी तौर पर पंजीकरण प्राप्त करना होगा.

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि उसे अनरजिस्टर्ड खरीदारों/सेवा प्राप्तकर्ताओं से कर वापसी के दावे को लेकर सुविधा प्रदान करने के लिये आवेदन मिले थे. सीबीआईसी ने कहा कि ऐसे अनरजिस्टर्ड (गैर-पंजीकृत) व्यक्तियों को रिफंड के लिये आवेदन की सुविधा देने के लिए साझा पोर्टल पर एक नई व्यवस्था शुरू की गई है. इसके तहत अनरजिस्टर्ड व्यक्ति अस्थायी तौर पर पंजीकरण प्राप्त कर सकते हैं और कर वापसी के लिए आवेदन कर सकते हैं.

दो साल के अंदर करना होगा दावा

जानकारी के मुताबिक, अनरजिस्टर्ड करदाता अनुबंध/समझौता रद्द होने का पत्र प्राप्त होने की तिथि से दो साल के भीतर जीएसटी रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं. जीएसटी परिषद की 17 दिसंबर को हुई 48वीं बैठक में अनरजिस्टर्ड खरीदारों के मामले में आवेदन देने की प्रक्रिया को लेकर परिपत्र जारी कर केंद्रीय माल एवं सेवा कर नियमों में संशोधन की सिफारिश की गई थी. अब तक वैसे मामलों में अनरजिस्टर्ड खरीदारों के लिये कर वापसी का दावा करने की व्यवस्था नहीं थी, जहां फ्लैट/मकान या दीर्घकालीन बीमा पॉलिसी जैसी सेवाओं की आपूर्ति के लिये अनुबंध/समझौता रद्द हो गया है.

आम लोगों को मिलेगी राहत

केपीएमजी इंडिया के भागीदार (अप्रत्यक्ष कर) अभिषेक जैन ने कहा कि इससे अनरजिस्टर्ड खरीदारों को वैसे मामले में जीएसटी वापस हो सकेगा, जहां आपूर्ति नहीं हुई है. इससे अनावश्यक कर बोझ से बचने में मदद मिलेगी. आपको बता दें कि देशभर में लाखों घर खरीदार इस समय परेशान हैं. दरअसल, उनको फ्लैट नहीं मिलने पर उन्होंने बुकिंग रद्द करा दी है लेकिन जीएसटी रिफंड नहीं मिल पाया है. इस नए बदलाव के बाद वो अपना रिफंड ले पाएंगे.

देहरादून एफआरआई 15 जनवरी तक बंद, ये है बड़ा कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के पर्यटक स्थल वन अनुसंधान संस्थान परिसर (FRI) को एक बार फिर पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि 31 दिसंबर से 15 जनवरी तक एफआरआई में पर्यटकों को प्रवेश नहीं मिलेगा। जिसके आदेश जारी किए गए है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बार एफआरआई को बंद करने की वजह कोरोना नहीं बल्कि तेंदुआ है।एफआरआई की ओर से जारी आदेश में लिखा है कि वन अनुसंधान संस्थान परिसर में लगातार कई दिनों से प्रातः सायं एवं दिन के समय में तेंदुए को उनके बच्चों के साथ देखा गया है।परिसर के अंदर दिन के समय भी तेंदुओं के विचरण के कारण किसी अनहोनी से बचने एवं सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए सक्षम अधिकारी के निर्देशानुसार वन अनुसंधान संस्थान परिसर को सभी आगंतुकों लिए दिनांक 31-12-2022 से 15-01-2023 तक बंद रखा जाता है.

हीराबेन के निधन पर सतपाल महाराज ने जताया दुख:, स्वदेश दर्शन योजना को दिए 140 करोड़

वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत गुंजी, नीति, मलारी, माणा गांवों का हुआ चयन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 31 दिसंबर , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन मोदी के निधन पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताश्री हीरा बा के निधन का समाचार सुनकर गहरा आघात लगा है। एक मां का निधन किसी भी व्यक्ति के जीवन में ऐसी शून्यता लाता है, जिसकी भरपाई असंभव है। वहीँ योजनाओं की बात करें तो प्रदेश में पर्यटन विकास हेतु राज्य सरकार के प्रयासों और केंद्र सरकार के सहयोग से स्वदेश दर्शन योजना-2.2 के तहत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और चंपावत जनपदों में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं को विकसित करने के लिए भारत सरकार ने 140 करोड रुपए की धनराशि स्वीकृत की है।प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.2 के अंतर्गत पिथौरागढ़ और चम्पावत जनपदों में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 140 करोड रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इसके तहत प्रथम चरण में 70 करोड़ की लागत से पिथौरागढ़ स्थित आदि कैलाश, गुंजी आदि क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के साथ-साथ मैनेजमेंट प्लांट तैयार किया जाएगा।पर्यटन मंत्री ने कहा कि जनपद में बॉर्डर टूरिस्ट को बढ़ावा देने के साथ-साथ खालिया टॉप में स्कीईंग, पंचाचुली पीक, बिर्थी वाटरफॉल सहित मुनस्यारी, मदकोट, जौलजीबी पाताल भुवनेश्वर आदि स्थलों का पर्यटन की दृष्टि से विकास कर इको टूरिज्म एवं एडवेंचर टूरिज्म के लिए भी प्लान तैयार किया जाएगा।पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि पिथौरागढ़ जनपद की तरह ही जनपद चंपावत में 70 करोड़ की धनराशि से स्वदेश दर्शन योजना 2.2 के अंतर्गत कल्चर एवं हेरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पूर्णागिरि, एबॉट माउंट, नंदा दूर सेंचुरी अद्वैत आश्रम मायावती में पर्यटकों के लिए अनेक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। जनपद के चूका क्षेत्र में इको हेरिटेज एवं एडवेंचर गतिविधियों को भी इस योजना के माध्यम से बढ़ावा दिया जायेगा। महाराज ने कहा कि भारत सरकार की वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत प्रदेश के 4 गांवों गुंजी, नीति, मलारी और माणा का भी चयन किया गया है। इन चारों वाइब्रेंट विलेज पुलिस में पाउडर टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ-साथ रिवर्स माइग्रेशन एवं स्थानीय लोगों को रोजगार के साथ-साथ वहां की आर्थिक को सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

पीएम मोदी की दिवंगत माँ को ऋषिकेश में श्रद्धांजलि दी गयी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 31 दिसम्बर क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमंचद अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन मोदी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की।

इस दौरान उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही दो मिनट का मौन भी रखा गया। कैंप कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान मंत्री डा. अग्रवाल ने कहा कि एक पुत्र के लिए मां पूरी दुनिया होती है।

मां का निधन पुत्र के लिए असहनीय और अपूरणीय क्षति होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूज्य माता का निधन अत्यंत दुःखद है।

मंत्री डा. अग्रवाल ने प्रभु श्री राम से स्व. हीराबेन को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने की कामना की। इस मौके जिला उपाध्यक्ष दिनेश सती, वीरभद्र मंडल महामंत्री सुंदरी कंडवाल, ऋषिकेश महामंत्री सुमित पंवार, सीमा रानी, मण्डल अध्यक्ष महिला मोर्चा उषा जोशी, रूपेश गुप्ता, सचिन अग्रवाल, दिनेश पयाल, प्रधानाचार्य मेजर गोविंद सिंह रावत, विवेक शर्मा, विनोद भट्ट, निर्मला उनियाल, प्रवीण रावत, शुभम शर्मा, शशी राणा, माया घले, पार्षद प्रदीप कोहली, राजू नरसिम्हा, अविनाश, राम कैलास, प्रताप सिंह राणा, दीपक जुगरान, पुनिता भंडारी, दिनेश बिष्ट, शिवानी भट्ट, जगावर सिंह, माधवी गुप्ता, अनिकेत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

होटल रिजॉर्ट में न हो हुड़दंग और बवाल, प्यार से मनाये नया साल : शेखर सुयाल, ASP

SSP श्वेता चौबे ने नये वर्ष के लिए किये सेफ्टी के पुख्ता इंतेज़ाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार , 31 दिसंबर , एसएसपी श्वेता चौबे ने पौड़ी के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्र में पड़ने वाले होटलों, रिजॉर्ट, ढाबों आदि में चैकिंग ज़रूर करें। इसके साथ ही अनियमितता पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही भी करने का आदेश दिया है। इसी कड़ी में शेखर चन्द्र सुयाल अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार, श्यामदत्त नौटियाल क्षेत्राधिकारी श्रीनगर, गणेश लाल कोहली क्षेत्राधिकारी कोटद्वार ने अपने-अपने सर्किलों के थाना लक्ष्मणझूला, लैन्सडाउन, कोटद्वार क्षेत्र के अन्तर्गत पडने वाले रिजॉर्ट, होटल के सम्बन्ध में नए साल 31 दिसम्बर तथा नव वर्ष के परिप्रेक्ष्य में थाना क्षेत्रान्तर्गत व राजस्व क्षेत्र के सभी होटल रिजॉर्ट स्वामी एवं प्रबन्धकों के साथ बैठक की ।

इस मीटिंग के दौरान सभी रिजॉर्ट स्वामी के प्रबन्धकों को बताया गया कि आज 31 दिसम्बर के अवसर पर अधिकतर नए उम्र के लोग रिजॉर्ट में घूमने आते हैं तथा जिनके द्वारा नशे में हुड़दंग करने की प्रबल सम्भावनाएं बनी रहती है, उन पर सतर्क दृष्टि रखकर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे। किसी भी प्रकार की घटना घटित होने पर तत्काल सूचना पुलिस को देने एवं यातायात को सुगम बनाने के दृष्टिगत यात्रियों के वाहनों को होटल रिजॉर्ट में पार्किंग में पार्क करने हेतु बताया गया।

सड़क हादसों में हिंदुस्तान पहले नंबर पर, क्या आप हैं सतर्क ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 31 दिसंबर, क्रिकेटर ऋषभ पंत के सड़क हादसे से देश भर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमी दुखी हैं। एक कार हादसा और सामने आती है लापरवाही और फिर होता है कभी न भूलने वाला अफ़सोस। इस बीच हमारी ये खबर आपको सचेत करने के लिए है। देश में रोजाना अनगिनत सड़क हादसे होते हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है भारत में होने वाले सड़क हादसों की संख्या भले ही कम हो लेकिन इन हादसों में मरने वालों का आंकड़ा भारत में दुनिया के किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक है। इस रिपोर्ट में कुल हादसे, हादसों में मरने वाले और घायल हो जाने वाले शामिल हैं।

रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर में भारत सड़क दुर्घटनाओं के मामले में दूसरे पायदान पर है। इस रिपोर्ट में कुल 207 देशों को श्रेणीबद्ध किया गया है। इसमें बताया गया है कि कुल सड़क हादसे आंकड़े के आधार पर एक लाख पर भारत में 32 हादसे हैं, जबकि अमेरिका (यूएस) की तुलना में (590) हादसे हैं। जोकि बेहद कम है। जबकि यह आंकड़ा जापान में 340 रहा है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी साफ किया है कि इन हादसों में मरने वालों के मामले में भारत पहले पायदान पर है।

यूएस में हुए सड़क हादसों में कुल 36560 लोगों की जान गई थी और 27,10,000 लोग घायल हो गए थे। जबकि भारत में इन हादसों में भारत में 1,51,417 लोगों की मौत हुई है और कुल 4,69,417 इन हादसों में घायल हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक प्रति लाख के आधार पर आकलन बताता है कि इस मामले में दक्षिण अफ्रीका में सबसे अधिक मौतें हुई हैं।यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका में प्रति लाख पर 26, इस्लामिक रिपब्लिक में 20, रशिया में 13, अमेरिका, भारत और इंडोनेशिया में 11 दर्ज किया गया है। वहीं भारत में ग्रामीण इलाकों में अधिक हुए हादसे। वर्ष 2021 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना अधिक हुई हैं। वर्ष 2021 में शहरी क्षेत्र में कुल 1,52,586 (37 फीसद)

जबकि ग्रामीण क्षेत्र में कुल 2,59,846 (63फीसद) सड़क हादसे हुए है।इन सड़क दुर्घटना में 43851 हादसे शहरी और 98312 ग्रामीण इलाकों में हुए। इन हादसों में शहरी क्षेत्र में 30.7 फीसद और 63.3 फीसद अधिक हादसे हुए। देश में सर्वाधिक हादसों वाले इलाकों में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे प्रमुख राज्य शामिल हैं।

घायल दोस्त ऋषभ के लिए उर्वशी रौतेला ने की दुआ

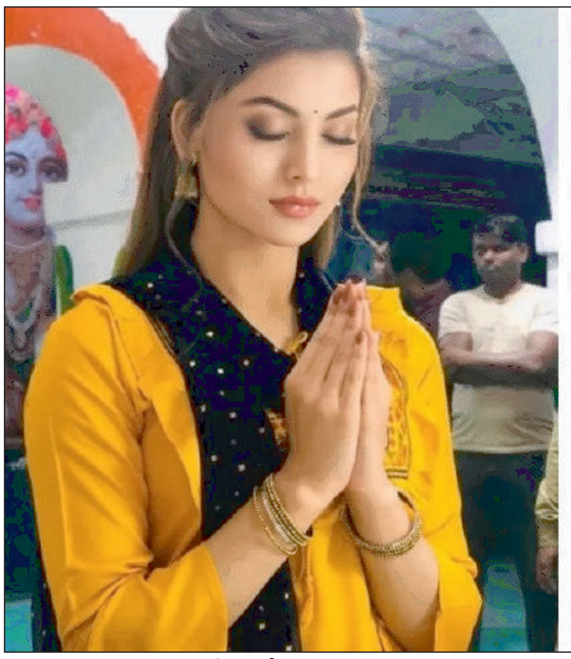

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 31 दिसंबर, देश के मशहूर क्रिकेटर और उत्तराखंड के रहने वाले ऋषभ पंत के भयंकर एक्सीडेंट ने सपोर्टरों को झकझोर कर रख दिया। इंडिया के दमदार क्रिकेटर ऋषभ पंत का खतरनाक एक्सीडेंट हुआ। उनकी गाड़ी धू-धू करके जल गई और वह हादसे के वक्त गाड़ी का शीशा तोड़कर बाहर निकले। इस दुर्घटना की जो तस्वीरें सामने आई है जिसे देख किसी का भी दिल दहल जाए। इस खबर को सुन बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला का भी रिएक्शन सामने आया है। ऋषभ और उर्वशी का नाम जुड़ चुका है। अब उर्वशी ने बिना ऋषभ का नाम लिए एक्टर के लिए दुआएं मांगी है।

ऋषभ पंत की जब एक्सीडेंट की खबरें आई तो उसके कुछ समय बाद उर्वशी रौतेला ने बिना नाम लिए उनके लिए पोस्ट किया। बेशक एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में क्रिकेटर का नाम न लिखा हो लेकिन तमाम फैंस समझ गए कि ये पोस्ट किसके लिए है।

उर्वशी रौतेला ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस पर वह लिखती हैं- दुआ करती हूं। हैशटैग में उर्वशी रौतेला और #UR1 लिखती हैं। इस पोस्ट पर तुरंत फैंस कमेंट्स करने लगे।उन्होंने कहा कि ये पोस्ट ऋषभ के लिए है। वहीं कुछ ने एक्ट्रेस की तारीफ की कि कैसे उन्होंने अपने अंदाज में क्रिकेटर के लिए दुआएं मांगी।

कैसे चर्चा में आए थे उर्वशी रौतेला-ऋषभ पंत : एक इंटरव्यू में उर्वशी रौतेला ने कहा था कि एक बार मिस्टर आरपी उनसे मिलने के लिए लॉबी में इंतजार कर रहे थे। लेकिन मैं उनसे नहीं मिल पाई क्योंकि मैं काफी थकी थी। मेरे पास 16-17 मिस्ड कॉल थे। बाद में मुझे बुरा लगा और फिर हमारी मुलाकात मुंबई में हुई। जबकि ऋषभ पंत ने कहा था कि लोग सस्ती लोकप्रियता के लिए ऐसा कर रहे हैं। पता नहीं क्यों प्रसिद्धि के लिए लोग इतना भूखे हैं। इस तरह दोनों के बीच फिर इंस्टाग्राम पर विवाद छिड़ गया था।

विधानसभा के बर्खास्त कार्मिकों ने राष्ट्रपति से मांगी इच्छा मृत्यु

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 31 दिसंबर , विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों का धरना 12वें दिन भी जारी रहा इस दौरान कर्मियों ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता के देहांत पर 2 मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

कार्मिकों ने महामहिम राष्ट्रपति को पत्र लिखकर न्याय न मिलने की स्थिति में इच्छा मृत्यु हेतु अनुमति मांगी है। कार्मिकों ने पत्र में लिखा की उत्तराखण्ड राज्य गठन के समय से ही विधान सभा सचिवालय, उत्तराखण्ड में हुई सभी भर्तियां अवैध है परन्तु कार्यवाही केवल वर्ष 2016 एवं 2021 में नियुक्त कार्मिकों पर ही की गई है। वर्ष 2000 से 2015 तक के कार्मिकों को केवल इसलिए बचा लिया गया कि वह लोग नियमित हो चुके है, हटाए गए कार्मिकों में कई कार्मिक विकलांग, विधवा हैं तथा कई कार्मिक ओवर ऐज हो चुके है जिस कारण सबके सामने रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो चुका है।अपने परिवार का भरण पोषण नहीं कर पा रहे है। तिल-तिल के मरने से अच्छा है कि एक बार में ही मृत्यु प्राप्त हो जाय।

धरना प्रदर्शन के दौरान बर्खास्त कार्मिकों के बच्चों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को न्यू ईयर की शुभकामना के ग्रीटिंग भी पोस्ट किए गए। बच्चों ने अपने भविष्य के लिए माता-पिता की नौकरी की बहाली हेतु ग्रीटिंग के माध्यम से पुनर्विचार हेतु आग्रह किया। धरने के दौरान कई छात्र संगठनों ने धरने का समर्थन किया। छात्र संगठन द्वारा कहा गया कि अगर जरूरत पड़ेगी तो दलगत राजनीति से ऊपर उठकर न्याय की लड़ाई में बर्खास्त कर्मचारियों के साथ उनकी आवाज को बुलंद करेंगें।

इस दौरान गीता नेगी, सरस्वती कठैत प्रतिभा, रिशु सूर्या, मयंक रावत, सुरेंद्र रौतेला, आशीष शर्मा, कौशिक, कुलदीप सिंह, दीप भट्ट, हिमांशु पांडे एवं समस्त बर्खास्त कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों पर होगी कड़ी कार्यवाही : सोनिका, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,31 दिसम्बर, 2022 जनपद के विकासनगर तहसील क्षेत्रान्तर्गत सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं खुर्द-बुर्द करने तथा निजी भूमि पर अनुमति से अधिक पेड़ काटे जाने की शिकायतों के क्रम में जिलाधिकारी सोनिका ने स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा संलिप्त के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिलाधिकारी विकासनगर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जबकि हरियावाला धौलास में सरकारी भूमि पर निर्माण कार्य होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए तत्काल ध्वस्तीकरण के निर्देश दिए, जिस पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिलाधिकारी विकासनगर की उपस्थिति में

उक्त भूमि पर नाला पाटकर बनाई गई सड़क एवं भूमि के समतलीकरण हेतु नाले पर लगाई दीवार को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

एनफील्ड टी कम्पनी जंगल राजावाला में अनुमति से अधिक पेड़ काटने के शिकायत पर जिलाधिकारी ने मौका मुआवना करते हुए निरीक्षण के दौरान उन्होंने अपर जिलाधिकारी प्रशासन को प्रकरण की जांच करने हेतु समिति बनाते हुए पेड़ कटान सहित भूमि को समतलीकरण किये जाने पर अवैध खनन तथा सरकारी भूमि पर अतिक्रमित तो नही की गई है सभी पहलुओं की जांच करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने ग्राम बैरागीवाला जस्सोवाला में ग्रामसभा की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर मौका मुआवना किया इस दौरान ग्रामीणों द्वारा सीमांकन करने का अनुरोध किया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित सम्बन्धित लेखपाल को सीमांकन करते हुए आख्या उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

हरियावाला धौलास के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि भूमि पर जाने हेतु बरसाती नाला बन्द कर रोड़ बनाई गई है तथा भूमि के अन्तिम छोर पर नाला पाटकर दीवार निर्माण करने तथा समतलीकरण आदि निर्माण /अतिक्रमण किये जाने पर जिलाधिकारी ने तत्काल अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए साथ अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिलाधिकारी विकासनगर को सभी पहलुओं की जांच करते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं राजस्व विभाग के सम्बन्धित कार्मिकों को शासकीय भूमि को खुर्द-बुर्द कर अतिक्रमित करने की शिकायत पर फील्ड विजिट करने हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शासकीय भूमि को खुर्द-बर्दु कर अतिक्रमण करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश के साथ ही चेतावनी दी कि यदि अतिक्रमण में किसी कार्मिक की भूमिका परिलक्षित होती है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी। हरियावाला धौलास में सराकारी भूमि पर किये गए अतिक्रमण को टीम द्वारा ध्वस्त कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस.के बरनवाल, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार, कानूनगो विकासनगर भोला

SSP श्वेता चौबे के निर्देशन में साइबर सेल ने पीड़ितों का लुटा रुपया किया रिकवर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 31 दिसंबर , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल, श्वेता चौबे द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए गठित साइबर सेल को जनपद में साइबर फ्रॉड सम्बन्धी किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है। जिसके क्रम में शेखर चन्द सुयाल,अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के निर्देशन, विभव सैनी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में साइबर सेल द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए साइबर ठगी का शिकार हुए लोगों के खातों में धनराशि वापस कराए जाने एवं आम जनमानस को साइबर अपराध से सुरक्षा हेतु लगातार जागरूक करते हुए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहद बड़ी संख्या में एसएसपी श्वेता चौबे को कामयाबी भी मिल रही है। ये हैं कुछ सफल केस की संक्षिप्त जानकरी -

दिनांक 07.10.2022 को आवेदक गंगा सिंह गुंसाई, निवासी-ग्राम काण्डाई, पौडी गढवाल द्वारा शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उनके द्वारा अंकित किया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक को कॉल कर आवेदक के क्रैडिट कार्ड से ₹ 58,500/- की ऑनलाइन ठगी की गयी है। साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे /बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदक के खाते से कटी ₹ 43,099/- की धनराशि आवेदक के खाते में वापस करायी गयी। जो कि आवेदक के खाते में प्राप्त हो चुकी है।

दिनांक 29.11.2022 को आवेदक अनिल कुमार डोबरियाल, निवासी-काशीरामपुर (तल्ला) कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक को झांसा देकर देकर ₹ 16,473/- की धनराशि की ऑनलाइन ठगी की गयी है। साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदक के खाते से कटी ₹ 16,473/- की सम्पूर्ण धनराशि को आवेदक के खाते में वापस करायी गयी । जो कि आवेदक के खाते में प्राप्त हो चुकी है।

दिनांक 28.11.2022 को आवेदिका अनीता देवी निवासी दुर्गापुर, कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गैस बुक कराने के नाम पर एटीएम की डिटेल प्राप्तकर आवेदिका से ₹ 9,325/- की ऑनलाइन ठगी की गयी है । साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदिका के खाते से कटी ₹ 9,325/- की सम्पूर्ण धनराशि को आवेदिका के खाते में वापस करायी गयी। जो कि आवेदिका के खाते में प्राप्त हो चुकी है ।

दिनांक 24.11.022 को आवेदक प्रवीण सिंह राणा, निवासी-ग्राम अमकोट, थाना पौडी जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उनके द्वारा अंकित किया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति आवेदक को कॉल कर उनके पिता का मित्र होने का झांसा देकर ₹ 30,000/- की ऑनलाइन ठगी की गयी है । साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदक के खाते से कटी ₹ 30,000/- की सम्पूर्ण धनराशि को आवेदिका के खाते में वापस करायी गयी। जो कि आवेदक के खाते में प्राप्त हो चुकी है ।

दिनांक 24.11.022 को आवेदक प्रवीण सिंह राणा, निवासी-ग्राम अमकोट, थाना पौडी जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उनके द्वारा अंकित किया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति आवेदक को कॉल कर उनके पिता का मित्र होने का झांसा देकर ₹ 30,000/- की ऑनलाइन ठगी की गयी है । साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदक के खाते से कटी ₹ 30,000/- की सम्पूर्ण धनराशि को आवेदिका के खाते में वापस करायी गयी। जो कि आवेदक के खाते में प्राप्त हो चुकी है ।

ध्यान से पढ़िए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे की आम जनमानस से अपीलः-

- किसी अज्ञात व्यक्ति के कॉल और मैसेज से सावधान रहें।
- किसी को भी अपना Password, OTP, CVV शेयर ना करें।
- अन्जान लिंक, ऑनलाइन जॉब्स ऑफर से सम्बन्धित लिंक पर क्लिक ना करें।
- अन्जान QR Code स्कैन ना करें।
- जागरूक बनें एवं अन्य व्यक्तियों को भी जागरूक करें।
- यदि कोई भी व्यक्ति ठगी का शिकार होता है तो तत्काल नजदीकी थाना एवं साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें।

महिला अफसर की तनख्वाह 45 हज़ार दौलत देख उड़ गए अफसरों के होश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 31 दिसंबर , साल 2022 खत्म होने जा रहा है। प्रदेश में इस साल में एंटी करप्शन ब्यूरो यानी एसीबी ने कई बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। आंकड़ों के मुताबिक करीब 300 से ज्यादा घूसखोरों को एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा। लेकिन एसीबी ने जब दिसंबर में राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक सूचना सहायक के घर पर दबिश दी तो वहां मिले नगदी और अन्य जानकारी से एसीबी भी दंग रह गई। क्योंकि इस महिला सूचना सहायक के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति होने के दस्तावेज मिले। इतना ही नहीं डेढ़ किलो सोना और विदेशी बैंकों में अकाउंट के डाक्यूमेंट्स भी मिले। जिस पर एसीबी अब भी जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

सैलरी मात्र 45 हजार रुपए महीना, फिर भी बनाई करोड़ो की संपत्ति

हम बात कर रहे हैं महिला सूचना सहायक प्रतिभा कमल की। जो जयपुर में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में सूचना सहायक के पद पर तैनात थी। आमतौर पर इस पोस्ट की नौकरी का वेतन करीब वर्तमान में 40 से 45 हजार रुपए होता है। प्रतिभा कमल के बारे में एसीबी को पिछले कई समय से सूचना मिल रही थी कि इसके पास करोड़ों रुपए की संपत्ति है। जो घूसखोरी की है।एसीबी (ACB) ने पुख्ता इनपुट के आधार पर प्रतिभा कमल के घर पर सर्च करना शुरू किया तो एसीबी को वहां से डेढ़ किलो सोना और करीब 22 लाख रुपए की नगदी भी मिली। इसके अलावा जयपुर में करीब 3 से 4 करोड रुपए की संपत्तियों के डॉक्यूमेंट पर मिले। यह संपत्ति आज जयपुर में नामी मॉल्स में दुकानों और मकानों की थी(crime news)।

विदेशी बैंकों के डॉक्यूमेंट देख चौंके

सबसे ज्यादा चौंकाने वाला खुलासा तो तब हुआ जब एसीबी को घर से विदेशी बैंकों के डाक्यूमेंट्स मिले। यहां एसीबी को आधा दर्जन से ज्यादा विदेशी बैंकों के डाक्यूमेंट्स मिले जो प्रतिभा और उसके परिवार के लोगों के नाम से थे। एसीबी तब से लेकर अब तक इन विदेशी बैंक के रिकॉर्ड खंगालने में लगी हुई है। सूत्रों की माने तो इनमें करोड़ों रुपए का लेनदेन हो चुका था। हालांकि इस पूरे मामले में अभी तक सामने नहीं आया थी इतनी संपत्ति आखिरकार प्रतिभा ने कैसे जोड़ी।फिलहाल एसीबी इस बारे में जानकारी जुटा रही है

यूपी बोर्ड अपडेट : मार्च में होंगी कक्षा 10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं

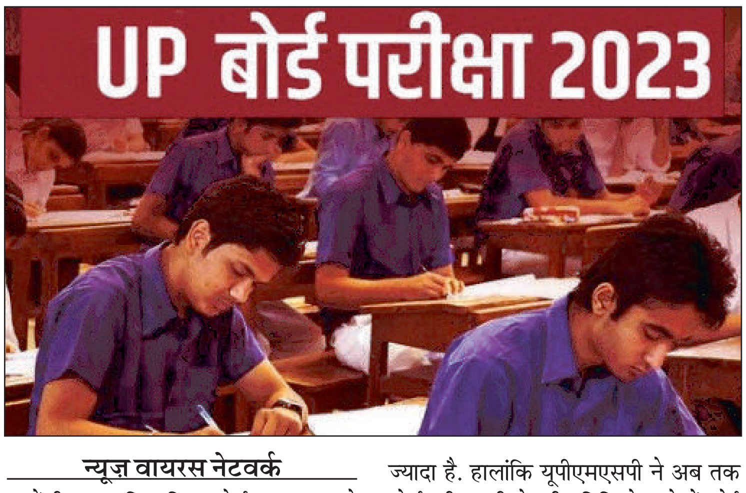

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने भी बोर्ड परीक्षा की डेटशीट जारी कर दी है. वहीं यूपी बोर्ड से कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की पढ़ाई कर रहे छात्रों को साल 2023 की बोर्ड परीक्षा टाइम टेबल का इंतजार है. संभावना जताई जा रही है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज जल्द ही यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा की डेटशीट 2023 जारी करेगा. छात्र यूपीएमएसपी 10वीं टाइम टेबल और यूपीएमएसपी 12वीं टाइम टेबल की पीडीएफ फाइल UPMSP की आधिकारिक वेबसाइट upmsp.edu.in से डाउनलोड कर सकेंगे. खबरों की मानें तो यूपी बोर्ड की कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 16 फरवरी से 28 फरवरी 2023 तक हो सकती हैं. वहीं यूपी बोर्ड की कक्षा 10वीं और यूपी बोर्ड की कक्षा 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं के मार्च महीने में शुरू होने की संभावना सबसे ज्यादा है. हालांकि यूपीएमएसपी ने अब तक बोर्ड परीक्षा की डेटशीट तिथि के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है. यूपी बोर्ड परीक्षाओं को दो शिफ्ट में आयोजित किया जाएगा. पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9 या 10 बजे से वहीं दूसरे शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 1 या 2 बजे से हो सकती है.

छात्रों को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले पहुंचना होगा. इस साल यूपी बोर्ड की परीक्षा में 55 लाख से अधिक छात्रों के भाग लेने की संभावना है. यूपी बोर्ड की कक्षा 10वीं के लिए 31,16,458 और कक्षा 12वीं के लिए 27,50,871 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है. इससे पहले, बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए यूपीएमएसपी मॉडल पेपर जारी किया था. बोर्ड परीक्षा देने जा रहे छात्र यूपीएमएसपी की साइट से इन मॉडल पेपर को डाउनलोड कर बोर्ड परीक्षा की प्रैक्टिस कर सकते हैं. सैंपल पेपर हल करने से बोर्ड परीक्षा की तैयारी बेहतर होती है.

संपादकीय

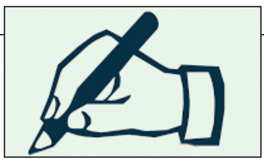

उड़ान सेवाओं का विस्तार

बीते दो सप्ताह में दो बार ऐसा हुआ कि देश में हवाई यात्रियों की दैनिक संख्या 41.5 और 43 लाख से अधिक रही. इस साल नवंबर में यात्रियों की कुल संख्या 11.1 करोड़ हो चुकी है. यह संख्या कोरोना काल से पहले के साल 2019 में इसी अवधि की तुलना में 15 फीसदी अधिक है. इसका अर्थ यह है कि महामारी के दौरान लगे झटकों से उड्डयन क्षेत्र तेजी से उबरा है. केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इन तथ्यों को रेखांकित करते हुए कहा है कि इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं- एक, लोगों की यात्रा करने की इच्छा तथा दो, एयरलाइनों द्वारा जहाजों की संख्या बढ़ाना एवं देश में हवाई अड्डों की बढ़ती संख्या. उल्लेखनीय है कि 2013-14 में देश में 74 हवाई अड्डे थे, जो अब 146 हो चुके हैं तथा आगामी चार-पांच वर्षों में इस संख्या 200 से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसी माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में मोपा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया है. जुलाई में देवघर और नवंबर में इटानगर में भी हवाई अड्डों का उद्घाटन हुआ. यात्रियों की बढ़ती संख्या के हिसाब से उड़ान सेवाओं के विस्तार का अनुमान लगाया जा सकता है. साल 2010 में 7.90 करोड़ लोगों ने जहाज से यात्रा की थी. सात साल बाद यह संख्या 15.80 करोड़ हो गयी थी. वर्ष 2019 में यह संख्या 14.4 करोड़ रही थी. मध्य आय वर्ग के परिवारों की बढ़ती आय, इस क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सेवाओं एवं संसाधनों के बढ़ने की गति को देखकर यह आकलन किया जा रहा है कि 2037 तक भारत में हवाई जहाज से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या 52 करोड़ तक हो जायेगी. सिंधिया ने यह भरोसा जताया है कि उड्डयन क्षेत्र नये विकास की ओर अग्रसर है और यह वृद्धि स्थायी होगी. इस भरोसे के ठोस आधार हैं. उड्डयन क्षेत्र का विकास भारत सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में है. चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पेश हुए बजट में प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सात इंजनों का उल्लेख किया गया था. उसमें एक हवाई अड्डों का विस्तार भी शामिल है. हमारे देश में उड्डयन बाजार के 14-15 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर के हिसाब से 2025 तक 4.33 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच सकता है. उड्डयन क्षेत्र में कई कंपनियों के साथ 42 से अधिक स्टार्टअप भी सक्रिय हैं. क्षेत्र के विस्तार के साथ पायलट और अन्य कर्मचारियों की मांग भी बढ़ रही है. उल्लेखनीय है कि 2026 तक भारतीय ड्रोन उद्योग भी 1.8 अरब डॉलर का हो सकता है. टिकटों को सस्ता करने, उड़ानों को सुरक्षित बनाने तथा हवाई अड्डों पर अच्छी व्यवस्था पर ध्यान देने की आवश्यकता है.

प्रतिनिधि ही हैं संस्था का असली चेहरा होता है, वो चाहे भाजपा हो, कांग्रेस हो कोई भी संगठन या फिर कंपनी

(ललित मोहन शर्मा,अध्यक्ष, बिल्ड इंडिया फोरम , देहरादून)

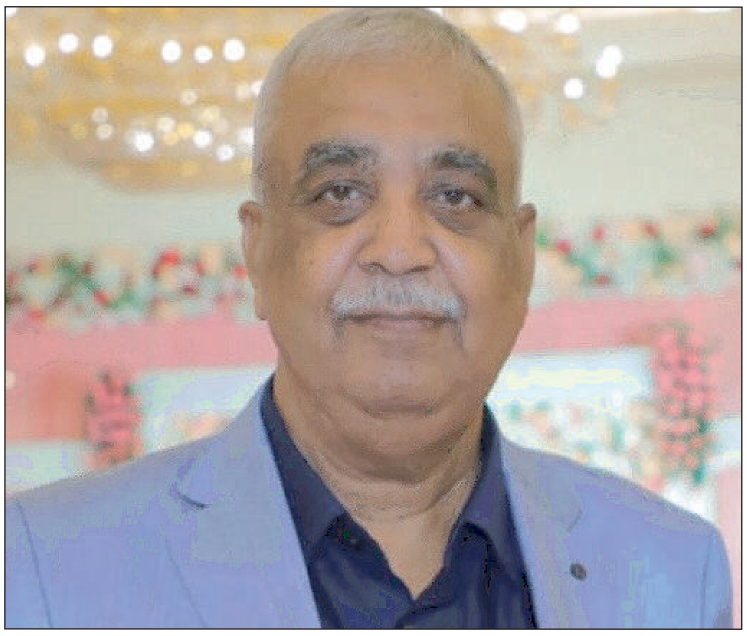

अक्सर लोग कहते सुने जाएंगे कि यह संस्था बहुत अच्छी है अथवा यह संस्था बहुत खराब है। सोचिये संस्था का स्वरूप क्या है? संस्था क्या होती है, किससे बनती है। आप पाएंगे कि संस्था किसी उद्देसस्य की पूर्ति के लिये समान विचारों के व्यक्तियों का समूह होता है। संस्था का अपना नाम तो होता है लेकिन चेहरा नही होता।

संस्था का चेहरा वास्तव में संस्था के घटक व्यक्तियों का चेहरा ही होता है। यह कहा जा सकता है कि संस्था का अच्छा अथवा बुरा होना उसका काम करने वाले प्रतिनिधियों पर निर्भर करता है। जैसे किसी राष्ट्र का चरित्र वहां के नागरिकों के चरित्र से जाना जाता है ठीक उसी प्रकार किसी राजनीतिक दल का चेहरा और चरित्र भी उसके कार्यकर्ताओ/ प्रतिनिधियों के चरित्र से पहचाना जाता है। वैसे नियम भी यही कहता है कि किसी प्रतिनिधि का कथन उसकी संस्था का ही कथन माना जाता है। यदि प्रतिनिधि अच्छा प्रदर्शन करे तो उसकी संस्था का भी अच्छा नाम होता है। इसके विपरीत यदि प्रतिनिधि सार्वजनिक रूप से अप्रिय अथवा असामाजिक कार्य करे तो उसके साथ उसकी संस्था का नाम भी खराब होता है। किसी भी क्षेत्र में नजर दौड़ाइये इस सच को झुठलाया नही जा सकता।

एक समय जब कांग्रेस देश की आज़ादी के लिये लड़ रही थी, उसके कार्यकर्ता,नेता देश के लिये बलिदान दे रहे थे, समाज मे एक उत्कृष्ट आचरण का प्रदर्शन कर रहे थे तो कांग्रेस जनता के सिर आंखों पर राज करती थी लेकिन जब उसके प्रतिनिधियों ने भ्रष्ट्राचार का आचरण आरंभ किया, जनता के साथ धोखा किया,राजनीतिक आचरण का स्तर नीचा किया तो वही कांग्रेस गर्त में डूबती चली गयी। कांग्रेस के भ्रष्ट्राचारी प्रतिनिधियों ने कांग्रेस का चेहरा मैंला और बदसूरत कर दिया। इसके उलट अपने चारित्रिक प्रदर्शन के कारण आज भारतीय जनता पार्टी देश की सत्ता के शिखर पर पहुंच गई। यह एक सतत प्रक्रिया है। जैसा किसी संस्था के प्रतिनिधि आचरण करेंगे, संस्था का स्वरूप भी वैसा ही बदलता जाएगा। मेरे उपरोक्त उदाहरण का उद्देश्य किसी को अच्छा या बुरा साबित करना नही है बल्कि उस सत्य को उजागर करना है जिसे अक्सर हमारे प्रतिनिधि लोग भूल जाते हैं। वो भूल जाते हैं कि सार्वजनिक जीवन में उनके द्वारा किया गया जरा सा भी भोंडा प्रदर्शन उनकी पार्टी को सांसत में ला खड़ा करता है। यह वैसा ही है जैसे संतान की गुंडागर्दी से पिता को सरेआम बेइज्जत होना पड़े। आप और हम रोज के जीवन में अपने ही प्रतिनिधियों के कारनामे सुनते रहते हैं। उनके साथ पार्टी का नाम भी जुड़ा होता है। अब यदि नेता/ प्रतिनिधि निजी जीवन में भी कोई असामाजिक कार्य कर दे तो यही कहा जाता है कि फलां पार्टी के नेता ने ऐसा अशोभनीय कार्य किया। बेचारी पार्टी ऑटोमेटिक रूप से अच्छी अथवा बुरी बनती रहती है।

जैसे संतान के बुरे कर्म पर पर्दा डालने अथवा उसे संरक्षण देने पर पिता अथवा परिवार उससे उपजी बदनामी झेलता है ठीक उसी प्रकार कोई राजनीतिक पार्टी भी अपने कार्यकर्ताओं, प्रतिनिधियों और नेताओं के कर्मों का फल भोगती है। जब इतना असर पड़ता है तो स्वाभाविक रूप से अप्रिय कर्म करने वाले किसी भी प्रतिनिधि को संरक्षण देने, अपनी बदनामी और गिरती लोकप्रियता को आमंत्रित करना है। यदि ऐसे किसी भी आपत्तिजनक प्रदर्शन पर आरंभ में ही कड़ा रुख अपना लिया जाय तो किसी आगामी विपत्ति से बचा जा सकता है। उदाहरण के लिये हमारे लक्सर क्षेत्र के एक जनप्रतिनिधि अक्सर अपने सार्वजनिक व्यवहार के लिये चर्चा का विषय बनते रहते हैं। अक्सर ही उनके व्यवहार के मामले पुलिस तक पहुंचते रहते हैं। श्रीमान जी सार्वजनिक जीवन मे न केवल दबदबा रखते है बल्कि एक सम्मानित चेहरा भी हैं। अब यदि सड़क पर उछल कूद करेंगे तो जनता में उनके साथ उनकी पार्टी का वैसा ही प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। ठीक ऐसे ही यदि कोई प्रतिनिधि भ्रष्ट आचरण करे, चरित्र हीनता का कार्य करता पकड़ा जाय अथवा सरकार के पैसे के साथ बेमानी का प्रयास करे तो उसके प्रभाव से पार्टी बच नही सकती और किसी न किसी रूप में उसके दामन पर छींटे पड़ना स्वाभाविक है।

किसी भी राजनीतिक पार्टी को उच्च स्तर प्राप्त करने में लंबा समय लगता है लेकिन जनता की पैनी और मूक निगाहों से गिरते देर नही लगती। इसलिये उच्च पदस्थ नेतृत्व को अपनी और पार्टी की छवि को बनाये रखने के लिये तटस्थ होकर प्रभावी निर्णय लेने चाहिये। बदनामी का कारण बनने वाले किसी भी प्रतिनिधि को संरक्षण नही दिया जाना चाहिये। प्रतिनिधि की अवधि छोटी अथवा बड़ी हो सकती है।

उसका पार्टी में कद भी बड़ा या छोटा हो सकता है। लेकिन सत्य यही है कि उसका कद, पहचान और स्थायित्व पार्टी के कारण होता है न कि पार्टी का किसी व्यक्ति के कारण। प्रतिनिधि आएंगे, जाएंगे लेकिन पार्टी कभी समाप्त नही होती। इसलिये पार्टी का सम्मान बनाये रखने के लिये उसके प्रतिनिधियों को सम्मानित आचरण सुनिश्चित करना होगा। प्रतिनिधियों की स्वच्छ छवि और आचरण से ही पार्टी की स्वच्छ छवि संभव है।उत्तराखंड में प्रथम पंक्ति में खड़ी सत्ताधारी पार्टी भी कुछ ऐसे ही दौर से गुजर रही है। बार बार उसके प्रतिनिधि पार्टी और सरकार के लिये नित नई मुसीबतें खड़ी करते रहते हैं। अब नेतृत्व को तय करना है कि कठोर निर्णय कर अपना दामन स्वच्छ रखे अथवा दाग साफ करते करते या छिपाते दामन को बदसूरत बना ले। जनता तो अपने किये विश्वास को ही सही सलामत देखना चाहती है।

पर्यटन को लेकर देशभर में छाया उत्तराखंड चारधाम और कांवड़ यात्रा में बना नया रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तीर्थाटन और पर्यटन के क्षेत्र में साल 2022 उत्तराखंड के लिए अच्छा साबित हुआ। चारधाम और कांवड़ यात्रा में इस बार प्रदेश के पर्यटन ने फर्राटा भरा। कोरोना के बाद फिर से शुरू हुई दोनों ही यात्राएं चरम पर रहीं। वहीं दो नए रिकॉर्ड भी बने। चलिए जानते हैं कैसा रहा दोनों यात्राओं में उत्तराखंड का सफर...

2022 की सबसे बड़ी उपलब्धि शांतिपूर्ण कांवड़ मेला का समापन रहा। कांवड़ मेला कोरोनाकाल के दो साल बाद हुआ और तीन करोड़ 82 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं की रिकार्ड भीड़ से हरिद्वार के व्यवसाय को बूस्टर डोज मिली। चारधाम यात्रा ने भी हरिद्वार के होटल और ट्रैवलर्स व्यवसाय को पटरी पर दौड़ा दिया।

हरिद्वार की पूरी अर्थव्यवस्था श्रद्धालुओं पर निर्भर है। कोरोनाकाल में हरिद्वार में व्यवसायियों के कर्मचारियों का वेतन तो दूर बिजली-पानी के बिल और बच्चों की स्कूल फीस देने के लाले पड़ गए थे। कोरोना का कहर कम हुआ, लेकिन पाबंदियों से श्रद्धालुओं की संख्या नहीं बढ़ी। लेकिन 14 जुलाई से 27 जुलाई तक हुए कांवड़ मेले से हरिद्वार के व्यवसाय को बूस्टर डोज दी। उत्तर भारत के कई राज्यों से तीन करोड़ 82 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई और गंगाजल लेकर गंतव्यों को रवाना हुए। एतिहासिक भीड़ के बाद भी मेले में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस और मेला प्रशासन ने बखूबी मेले को संपन्न कराया।

चारों धामों में करीब 46 लाख से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे

कोरोनाकाल के दो साल बाद बिना बंदिशों के चली चारधाम यात्रा ने इस साल नया रिकॉर्ड बनाया है। पहली बार चारों धामों में करीब 46 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट ने स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 31 दिसम्बर केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने पण्डित रामसुमेर शुक्ल मेडिकल कॉलेज पहुँचकर कोरोना की संभावित चौथी लहर से निपटने हेतु की जा रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ बैठक की।
बैठक में रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि कोरोना की चौथी लहर से बचाव हेतु सभी नागरिकों को कोरोना के प्रति सतर्क व सजग रहना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में आईसीयू, ऑक्सीजन बैड, जनरल बैड्स की समुचित व्यवस्था हो। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सब सेन्टरों तक ऑक्सीजन कन्सन्टेटर्स की व्यवस्था की जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में ऑक्सीजन सप्लायर तथा प्रोडक्शन से जुड़ी कम्पनियों के अद्यतन मोबाइल नम्बर उपलब्ध रहे ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सम्पर्क किया जा सके। उन्होंने जनपद में ऑक्सीजन, पल्स ऑक्सी मीटर्स, थर्मल स्केनर, मेडिसिन एण्ड लोजिस्टिक, वैक्सीनेशन, बूस्टर डोज, कोरोना सम्पलिंग आदि के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिये। अजय भट्ट ने मेडिकल कॉलेज में अभी तक कक्षाएं सुचारू न होने के कारणों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि वर्ष 2024 से पढ़ाई शुरू कराने हेतु सभी तैयारियां समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि वर्ष 2024 से पढ़ाई शुरू कराने के लिए मेडिकल कॉलेज को हर संभव मदद की जायेगी। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसपुर में शीघ्रता से अल्ट्रासाउण्ड शुरू कराने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिये। बैठक में क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। बैठक से पूर्व श्री भट्ट ने आईसीयू आदि का निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.सुनीता चुफाल रतूड़ी ने डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस, दवाईयों, उपकरणों, वैक्सीनेशन आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा, मेयर रामपाल सिंह, जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, प्राचार्य केदार सिंह साही, सीएमओ डॉ.सुनीता चुफाल रतूड़ी, एसीएमओ डॉ.हरेन्द्र मलिक, डॉ.तपन शर्मा, उप जिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्य, डीपीआरओ रमेश चन्द्र त्रिपाठी, डीपीओ उदय प्रताप सिंह, सहित गुजन सुखीजा, अमित नारंग, विपिन जल्होत्रा आदि उपस्थित थे।

सावधान! प्रतिबंधित स्थान पर गुटखा/ तम्बाकू बेचा तो दून पुलिस कर देगी मोटा चालान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 31 दिसंबर , देहरादून की रायपुर पुलिस ने स्कूल, कॉलेजो/ शिक्षक संस्थानों के आस पास गुटखा/ तम्बाकू बेचने वालो व सार्वजानिक स्थानों मे धूम्रपान करने वालो के विरुद्ध कड़ी जांच और कार्यवाड़ी की है इस दौरान , 64 लोगो का चालान काटते हुए 3200 रूपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

आपको यहाँ बता दें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा जनपद देहरादून मे स्कूल/कॉलेजो/ शिक्षक संस्थानों के आस पास गुटखा/ तम्बाकू बेचने वालो व सार्वजानिक स्थानों मे धूम्रपान करने वालो के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने निर्देश दिए गए हैं।

इसी अभियान के तहद सरिता डोभाल पुलिस अधीक्षक नगर और अनिल जोशी क्षेत्राधिकारी नेहरू कलोनी के दिशा-निर्देश मे थानाध्यक्ष रायपुर द्वारा थाना रायपुर क्षेत्र में टीमें गठित कर विभिन्न स्थानों मालदेवता, मयूरविहार, बालावाला व रायपुर क्षेत्र में स्कूल, कॉलेजो/ शिक्षक संस्थानों के आस पास गुटखा/ तम्बाकू बेचने वालो व सार्वजानिक स्थानों मे धूम्रपान करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही की पुलिस टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान स्कूल, कॉलेजो/ शिक्षक संस्थानों के आस पास गुटखा/ तम्बाकू बेचने वाले व सार्वजानिक स्थानों मे धूम्रपान करने वाले कुल 64 व्यक्तियों का कोटापा मे चालान किया गया, उक्त व्यक्तियों से 3200/-रूपये का जुर्माना वसूला गया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक ये चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

न्यू ईयर पार्टी सेलिब्रेशन करने से पहले सेफ्टी टिप्स ज़रूर पढ़ लें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 31 दिसम्बर , आज साल का आखिरी दिन है और कल की सुबह नए साल का आगाज़ होगा।

इस यादगार रात यानी न्यू ईयर ईव पर होने पर पार्टी में सुरक्षा आपको आने वाले साल का एक मजेदार सेलिब्रेशन मनाने में मदद कर सकती है। COVID-19 अभी भी दुनिया भर में लोगों को प्रभावित कर रहा है, इस आने वाले सेलिब्रेशन की प्लानिंग बनाते समय न्यू ईयर ईव पर सुरक्षा के बारें में सोचना जरूरी है।

चाहे आप छुट्टियों को अकेले बिताने का फैसला करते हैं, प्रियजनों के एक छोटे समूह के साथ, या एक बड़ी सभा में, कुछ नए साल की पूर्व संध्या पर सेफ्टी टिप्स को ध्यान में रखना है जो आपके जोखिम को कम करते हुए इस सेलिब्रेशन का पूरी तरह से आनंद लेने में आपकी मदद कर सकते हैं।अपनी गेस्ट लिस्ट को चेक करें अगर आप किसी कार्यक्रम की मेजबानी करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो COVID-19 के बारें विचार करते हुए अपनी गेस्ट लिस्ट को यथासंभव छोटा रखने का प्रयास करें। आइडियली केवल उन लोगों के साथ जश्न मनाना सबसे अच्छा है जो आपके घर में रहते हैं।अगर आपने किसी पार्टी की मेजबानी करने का निर्णय लिया हैः पार्टी एरिया के आसपास हैंड सैनिटाइजर स्टेशन बनाएं। सुनिश्चित करें कि सभी बाथरूम में हाथ साबुन का स्टॉक है।COVID-19 के प्रसार के जोखिम को कम करने के लिए शाम को कई बार बाथरूम को साफ करने पर विचार करें। फूड स्टफ के लिए बुफे से बचें। इसके बजाय, शेयर किए जाने वाले बर्तनों का यूज कम से कम करने के लिए अलग-अलग हिस्से वाले स्नैक्स या फूड पर सोंचे। मास्क जरूर रखे। मेहमानों के बारें में ये जरूर सुनिश्चित करें कि वो रात को कैसे और किस तरह से वापस जायेंगे।